

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	
1. अमृतवेले का योग शक्तिशाली रहा?																																
2. व्यर्थ से सदा मुक्त समर्थ स्थिति में रहे?																																
3. दिन में 21 बार अशरीरीपन का अनुभव किया?																																
4. कर्म करते कर्मयोगी स्थिति रही?																																
5. रात्रि सोने से पूर्व आधा घंटा योग किया?																																

### योगवल जमा करने के शौकीन वनें

वार-वार अशरीरी वनने की प्रैक्टिस करें, आत्मिक स्थिति में स्थित रहें, आत्मिक दृष्टि से देखने की आदत डालें, देह में रहते विदेही स्थिति में रहें, वापदादा के वरदानी हाथों को अपने सिर पर घुमाने की अनुभूति में रहें, दुःखी-अशान्त-रोगी-भटकती-तड़फती आत्माओं को सकाश दें, पवित्रता के वायव्रेशन फैलाने में विजी रहें।

#### अक्टूबर 2023 के अनुभवयुक्त योगाभ्यास

1. मैं परमात्म स्नेहीमूर्त आत्मा हूँ।
2. मैं महान आत्मा हूँ।
3. मैं विश्व परिवर्तक आत्मा हूँ।
4. मैं आत्मा यथार्थपुरुषार्थी हूँ।
5. मैं सिद्धि स्वरूप आत्मा हूँ।
6. मैं निश्चयबुद्धि निश्चित आत्मा हूँ।
7. मैं मधुर बोलयुक्त महान आत्मा हूँ।
8. मैं प्रसन्नचित्त आत्मा हूँ।
9. मैं डबल लाइट फरिश्ता हूँ।
10. मैं ब्रह्मा बाप समान विजयी आत्मा हूँ।

11. मैं समझदार आत्मा हूँ।
12. मैं ज्ञानी तू आत्मा हूँ।
13. मैं योगयुक्त प्रयोगी आत्मा हूँ।
14. मैं पुरुषोत्तम आत्मा हूँ।
15. मैं सोलकॉन्सेस स्वरूप हूँ।
16. मैं सहजयोगी आत्मा हूँ।
17. मैं आत्मा सच्चा सेवाधारी हूँ।
18. मैं ब्रह्मा बाप समान रॉयल आत्मा हूँ।
19. मैं विशेष आत्मा हूँ।
20. मैं आत्मा बेदाग डायमण्ड हूँ।
21. मैं परमधाम निवासी श्रेष्ठ आत्मा हूँ।

22. मैं पूर्वज सो पूज्य आत्मा हूँ।
23. मैं बाप समान धैर्य का सागर हूँ।
24. मैं आत्मा विजयी रतन हूँ।
25. मैं मास्टर नॉलेजफुल आत्मा हूँ।
26. मैं निरंतर विश्व सेवाधारी हूँ।
27. मैं मन्सा सेवाधारी हूँ।
28. मैं सदा सन्तुष्टमणि हूँ।
29. मैं मास्टर सर्वशक्तिमान आत्मा हूँ।
30. मैं आत्मा परमात्म दुलारा हूँ।
31. मैं सहज तीव्र पुरुषार्थी हूँ।

ओम् शान्ति